हाईस्कूल परीक्षा, 2015

हिन्दी–केवल प्रश्न-पत्र

समय : 3 घण्टे 15 मिनट] **801 (BB)** **[पूर्णांक : 70**

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई **एक** कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए— 1

(i) 'ध्रुव स्वामिनी' डॉ० राजेन्द्र प्रसाद की नाट्य-कृति है। (ii) अमृतलाल नागर एक प्रसिद्ध कवि हैं। (iii) 'शेखर: एक जीवनी' अज्ञेय की रचना है। (iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' उपन्यासकार के रूप में प्रसिद्ध हैं।

(ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** के लेखक का नाम लिखिए— 1

(i) मैला आँचल (ii) मेरी योरोप यात्रा (iii) रेती के फूल (iv) साहित्य और कला

(ग) 'महादेवी वर्मा' के किसी एक रेखाचित्र विधा की रचना का नाम लिखिए। 1

(घ) 'दैनिकी' किस विधा की रचना है? 1

(ङ) किसी एक प्रसिद्ध कहानी लेखक का नाम लिखिए। 1

2. (क) प्रगतिवादी काव्यधारा के किसी एक प्रसिद्ध कवि का नाम और उसकी एक रचना का नाम लिखिए। 2

(ख) अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' किस युग के कवि हैं? उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए। 2

(ग) 'पलाश वन' के रचनाकार का नाम लिखिए। 1

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास के उद्दण्ड परिणामों से अपने को सुरक्षित रखकर हम उनका उपयोग अपनी रीति से किस प्रकार करें—इस बारे में दो बातों का हमें बराबर ध्यान रखना है। पहली बात तो यह है कि हर प्रकार की प्रकृतिजन्य और मानवकृत विपदाओं के पड़ने पर भी हम लोगों की सृजनात्मक शक्ति कम नहीं हुई। हमारे देश में साम्राज्य बने और मिटे, विभिन्न सम्प्रदायों का उत्थान-पतन हुआ, हम विदेशियों से आक्रान्त और पददलित हुए, हम पर प्रकृति और मानवों ने अनेक बार मुसीबतों के पहाड़ ढा दिए, पर फिर भी हम बने रहे, हमारी संस्कृति बनी रही और हमारा जीवन एवं सृजनात्मक शक्ति बनी रही। हम अपने दुर्दिन में भी ऐसे मनीषियों और कर्मयोगियों को पैदा कर सके, जो संसार के इतिहास के किसी युग में अत्यन्त उच्च आसन के अधिकारी होते।

(i) उपर्युक्त गद्य का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) लेखक ने उपर्युक्त गद्यांश में भारतीयों की किस विशेषता का उल्लेख किया है?

(ख) ईर्ष्या का काम जलाना है, मगर सबसे पहले वह उसी को जलाती है जिसके हृदय में उसका जन्म होता है। आप भी बहुत से ऐसे लोगों को जानते होंगे, जो ईर्ष्या और द्वेष की साकार मूर्ति है। और जो बराबर इस फिक्र में लगे रहते हैं कि कहाँ सुनने वाला मिले और अपने दिल का गुबार निकालने का मौका मिले। श्रोता मिलते ही उनका ग्रामोफोन बजने लगता है, और वे बड़ी ही होशियारी के साथ एक-एक काण्ड इस ढंग से सुनाते हैं, मानो विश्व कल्याण को छोड़कर उनका और कोई ध्येय नहीं हो। अगर जरा उनके अपने इतिहास को देखिए और समझने की कोशिश कीजिए कि जब से इन्होंने इस सुकर्म का आरम्भ किया है, तब से वे अपने क्षेत्र में आगे बढ़े हैं या पीछे हटे हैं।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) ईर्ष्या का क्या काम है? वह सबसे पहले किसे जलाती है?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए तथा काव्य सौन्दर्य भी लिखिए : $1+4+1=6$

(क) बोली चतुर सखी मृद बानी। तेजवंत लघु गनिअ न रानी॥
कहँ कुंभज कहँ सिन्धु अपारा। सोषेउ सुजस सकल संसारा॥
रबि मंडल देखत लघु लागा। उदयँ तासु तिभुवन तम भागा॥
मंत्र परम लघु जासु बस, बिधि हरि हर सुर सर्ब।
महामत्त गजराज कहुँ, बस कर अंकुस खर्ब॥

(ख) बढ़ जाता है मान वीर का,
रण में बलि होने से।
मूल्यवती होती सोने की,
भस्म यथा सोने से॥
रानी से भी अधिक हमें अब,
यह समाधि है प्यारी।
यहाँ निहित है स्वतन्त्रता की,
आशा की चिनगारी॥

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी कोई एक रचना लिखिए : $2+1=3$

(i) डॉ० भगवत शरण उपाध्याय (ii) जयप्रकाश भारती (iii) पदमलाल पन्नालाल बख्शी।

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी **एक** रचना का नाम लिखिए : $2+1=3$

(i) सूरदास (ii) महादेवी वर्मा (iii) अशोक वाजपेयी।

6. निम्नलिखित का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : $1+3=4$

तदा स ग्रामीण: विहस्य स्वप्रहेलिकाया: सम्यक् उत्तरम् अवदत् "पत्रम्" इति। यतो हि इदं पदेन विनापि दूरं याति, अक्षरै: युक्तमपि न पण्डित: भवति। तस्मिन्नेव काले तस्य ग्रामीणस्य ग्राम: आगत: स विहसन् रेलयानात् अवतीर्य स्वग्रामं प्रति अचलत्। नागरिक: लज्जित: भूत्वा पूर्ववत् तूष्णीम् अतिष्ठत्।

अथवा माता गुरुतरा भूमे: खात् पितोच्चतरस्तथा।
मन: शीघ्रतरं वातात्, चिता बहुतरी तृणात्॥

7. (क) अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया गया कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो। 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। $1+1$

(i) वाराणसी नगरी कस्या: कूले स्थिता?

(ii) पुरुराज: केन सह युद्धम् अकरोत्?

(iii) रिपु: केन वर्धते?

(iv) भारतीय संस्कृति: कीदृशी वर्तते?

8. (क) हास्य **अथवा** करुण रस की परिभाषा लिखिए तथा एक उदाहरण दीजिए। 2

(ख) उत्प्रेक्षा **अथवा** उपमा अलंकार की परिभाषा एवं उदाहरण लिखिए। 2

(ग) सोरठा **अथवा** रोला छन्द का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए। 2

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : $1+1+1=3$

(i) अनु (ii) सह (iii) सु (iv) निर् (v) अधि।

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द-रचना बनाइए : $1+1=2$

(i) पन (ii) हट (iiii) ता (iv) आई।

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में समास विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 2

(i) पञ्चपल्लव (ii) सत्पुरुष (iii) पवनपुत्र (iv) जल-थल।

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के तत्सम रूप लिखिए :

(i) मानुस (ii) पारबती (iiii) मीत (iv) कातिक।

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 2

(i) गाय (ii) इन्द्र (iii) भाई (iv) मछली।

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 2

(i) इति + आदि (ii) मधु + अरि (iii) तथा + एव (iv) महा + ओघ:।

(ख) निम्नांकित शब्दों के तृतीया विभक्ति एक वचन का रूप लिखिए : 2

(i) नदी **अथवा** मति (ii) युष्मद् **अथवा** तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी **एक** की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) पश्यथ: (ii) पचेयु: (iii) अपठन्

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 2

(i) बालक सीढ़ी से गिर गया। (ii) मोहन आज वाराणसी जाएगा। (iii) सत्य से धर्म की वृद्धि होती है। (iv) मार्ग के दोनों ओर वृक्ष हैं।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) मेरी प्रिय पुस्तक, (ii) मानव जीवन में अहिंसा का महत्त्व, (iii) विज्ञान : वरदान या अभिशाप, (iv) बढ़ती बेरोजगारी : कारण और निवारण, (v) स्वदेश-प्रेम

12. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर लिखिए : 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाष चन्द्र की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'पूर्वाभास' सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर पं० जवाहर लाल नेहरू का संक्षिप्त चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'आजाद' की चारित्रिक विशेषताएँ संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के पञ्चम सर्ग का कथा-सार लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण द्वारा कवच-कुण्डल दान के प्रसंग का वर्णन कीजिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कुन्ती का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ज) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर लक्ष्मण-मेघनाद युद्ध का वर्णन कीजिए।

(ii) 'तुमुल खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।

(झ) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के 'दौलत' सर्ग (चतुर्थ सर्ग) की कथावस्तु लिखिए।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र-चित्रण कीजिए।